

(This question paper contains 1 printed page)

Roll No.

Sl. No of Question Paper: 2882

Unique Paper Code: FALC-SKT

F -1

Name of the Paper: Applied Language Course (Sanskrit)

Name of the Course: Bachelor with Honours

Semester: I

Time Allowed : **01 Hours**

Maximum Marks – **20**

समय - एक घण्टा

पूर्णाङ्क - **20**

Note – Express your views and ideas on any two of the following questions. The answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper. All questions carry equal marks.

टिप्पणी- निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों पर अपना दृष्टिकोण और विचार व्यक्त कीजिये। इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये। सभी प्रश्नों के अङ्क समान हैं।

1. आधुनिकसमाजे किमिदं युक्तम् - 'विद्या ददाति विनयम्', स्वविचारान् प्रकटीकुर्वन्तु।

आज के आधुनिक समाज में 'विद्या विनय को देती है', कहाँ तक सङ्गत है, अपने विचार प्रकट करें।

What are your ideas and opinion regarding the relevance of 'Knowledge gives discipline' in modern society. 10

2. 'उद्योगो नरभूषणम्' स्पष्टीकुरुत।

'निरन्तर किसी न किसी काम में लगे रहना मनुष्य का आभूषण है' – स्पष्ट कीजिये।

Explain 'Always being engaged in some work is the glory of man.' 10

3. 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' - नवदिल्लीस्थ-अखिल-भारतीय-आयुर्विज्ञान-संस्थानस्य आदर्शवाक्यस्य आशयः तव विचारे किम्।

आपके विचार में नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के आदर्श वाक्य 'शरीर धर्म का मुख्य साधन है' का क्या अभिप्राय है।

What is the significance of motto of All India Institute of Medical Sciences, New Delhi – 'Body alone is the instrument of doing all duties/deeds' in your opinion. 10

4. श्रीमद्भगवद्गीतायाः पंक्तिः 'अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे'। (2-20) आत्मशरीरयोः कीदृशं भेदं प्रस्तौति।

"यह (आत्मा) अजन्मा नित्य शाश्वत और पुरातन है शरीर के नष्ट होने पर यह नष्ट नहीं होता" – श्रीमद्भगवद्गीता की यह पंक्ति आत्मा और शरीर में क्या भेद प्रस्तुत करती है।

Explain the line of Srimadbhagavadgita which differentiate body from soul, that "Unborn, eternal, changeless and ancient. Atman is not killed when the body is killed". 10

5. कारणं विनिर्दिश्य किञ्चित् संस्कृतवाक्यं काञ्चित् सूक्तिं वाधिकृत्य स्वानुभवान् लिखत, येन यया वा त्वं निराशामपहाय उत्साहशीलो कृतः।

किसी ऐसे संस्कृत वाक्य या सूक्ति पर अपने अनुभव, कारण सहित लिखिये, जिसने आपको जीवन में कभी निराशा से उबारकर उत्साहित किया हो।

Write your own experience with reasons on the basis of any Sanskrit sentence or sukti, which has vanished your depression and encouraged you in life. 10